Publication	The Indian Express	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	09/06/2023	Page no	10
CCM	22.45		

Govt to utilise PACS as 'drone entrepreneurs' for spraying fertilisers

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, JUNE 8

PRIMARY AGRICULTURAL Credit Societies (PACS) can also be employed as drone entrepreneurs for spraying fertilisers and pesticides, the Cooperation Ministry said on Wednesday.

A Ministry statement said that this was decided in a meeting between Cooperation Minister Amit Shah and Chemicals and Fertilizers Minister Mansukh Mandaviya. Officials of both the ministries were present in the meeting. Five "important" decisions were taken, the statement said.

"There are about 1 lakh Primary Agricultural Credit Cooperative Societies present across the country... PACS, which are not functioning as fertiliser retailers will be identified and encouraged to function as retailers...," the statement said.

The statement also said that the PACS which are not currently functioning as Pradhan Mantri Kisan Samridhi Kendras will be brought under their ambit. It said the PACS will be connected with the marketing of organic fertilisers, especially Fermented Organic Manure/ Liquid Fermented Organic Manure / Phosphate Enriched Organic Manure.

"Fertiliser companies will act as an aggregator for small bio-organic producers to market the end product, in this supply and marketing chain of bio-organic fertilizers PACS will also be included as wholesalers/retailers," it said.

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Amar Ujala	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	09/06/2023	Page no	11
CCM	16.45		

कार्य नहीं कर रहीं प्राथमिक कृषि ऋण समितियों की पहचान करेगा केंद्र : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख एस मांडविया की बैठक में सहकारिता क्षेत्र से जुड़े पांच अहम फैसले लिए गए हैं। देशभर में लगभग एक लाख प्राथमिक कृषि ऋण समितियां मौजूद हैं। मैपिंग के आधार पर उर्वरक खुदरा विक्रेता के रूप में कार्य नहीं कर रहीं प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) की पहचान की जाएगी और व्यवहार्यता के आधार पर उन्हें चरणबद्ध तरीके से खुदरा विक्रेता के रूप में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार जो पैक्स अभी प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों के रूप में कार्य नहीं कर रही हैं उन्हें उसके दायरे में लाया जाएगा। इन समितियों को जैविक उर्वरकों, विशेष रूप से फरमेंटेड जैविक खाद और तरल फरमेंटेड जैविक खाद के विपणन से जोड़ा जाएगा। उर्वरक विभाग की मार्किट डेवलपमेंट असिस्टेंस योजना के तहत उर्वरक कंपनियां छोटे बायो-ऑर्गेनिक उत्पादकों के लिए एक एग्रीगेटर के रूप में कार्य कर अंतिम उत्पाद का विपणन करेंगी। एजेंसी

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from
SAMVAD

Publication	Rashtriya Sahara	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	09/06/2023	Page no	7
CCM	39.71		

शाह ने सहकारिता से जुड़े लिए पांच अहम फैसले

नई दिल्ली (एसएनबी)। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सहकारिता से जुड़े करोड़ों किसानों की आय में वृद्धि के लिए मोदी सरकार ने पांच और महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इन सभी निर्णयों से प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) की आय और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, साथ ही किसानों को उर्वरक, कीटनाशक, बीज तथा कृषि मशीनरी आदि स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी।

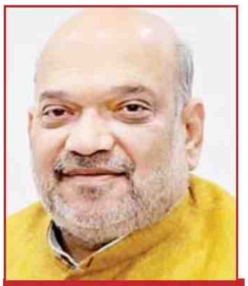

■ पैक्स की आय और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

सहकारिता मंत्री अमित शाह की रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख एस मांडविया के साथ नई दिल्ली में हुई बैठक में यह निर्णय लिए गए। बैठक में सहकारिता मंत्रालय व उर्वरक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। देशभर में लगभग एक लाख प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियां मौजूद है। मैपिंग के आधार पर उर्वरक खुदरा विक्रेता के रूप में कार्य नहीं कर रहीं प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) की पहचान की जाएगी और व्यवहार्यता के आधार पर उन्हें चरणबद्ध तरीके से खुदरा विक्रेता के रूप में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। जो पैक्स अभी प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रो के रूप में कार्य नहीं कर रही है उन्हें उसके दायरे में लाया जाएगा।

जैविक उर्वरकों, विशेष रूप से फर्मेंटेड जैविक खाद/तरल फर्मेंटेड जैविक खाद,फॉस्फेट समृद्ध जैविक खाद के विपणन में पैक्स को जोड़ा जाएगा। उर्वरक विभाग की मार्किट डेवलपमेंट असिस्टेंस योजना के तहत उर्वरक कंपनियां छोटे बायो-ऑर्गेनिक उत्पादकों के लिए एक एग्रीगेटर के रूप में कार्य कर अंतिम उत्पाद का विपणन करेंगी। इस आपूर्ति और विपणन श्रृंखला में थोक/ खुदरा विक्रेताओं के रूप में पैक्स को भी शामिल किया जाएगा। उर्वरक और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए पैक्स को ड्रोन उद्यमियों के रूप में भी कार्यरत किया जा सकेगा, साथ ही, ड्रोन का उपयोग संपत्ति सर्वेक्षण के लिए भी किया जा सकता है। इन निर्णयों के लाभ है। इससे प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के कार्य क्षेत्रों में विस्तार होगा जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के भी अवसर बढ़ेंगे और किसानों को उर्वरक, कीटनाशक, बीज तथा कृषि मशीनरी आदि स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी।

****

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

फिलहाल इसमें कोई बढोतरी नहीं की
जा रही
यथाव
ने सम
का नि
ब
स्टैंडड
प्रतिशत,

वर्ष की पहली तिमाही में यह आठ प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत
7 प्रतिशत रह सकती
ई है।
ा कि रिजर्व बैंक
को चार प्रतिश
लाने का है। हा
र्ष में 5.1 प्रतिश

दैनिक भास्कर

सरकार ने लिये पांच अहम निर्णय

'सहकार से समृद्धि' का विजन होगा साकार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार ने पांच और महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख एस मांडविया के साथ बैठक में यह निर्णय किये गए। देशभर में लगभग एक लाख प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियां मौजूद हैं। मैपिंग के आधार पर उर्वरक खुदरा विक्रेता के रूप में कार्य नहीं कर रहीं प्राथमिक कृषि ऋण समितियों की पहचान की जाएगी व व्यवहार्यता के आधार पर उन्हें चरणबद्ध तरीके से खुदरा विक्रेता के रूप में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। जैविक उर्वरकों, विशेष रूप से फर्मेंटेड जैविक खाद तरल फर्मेंटेड जैविक खाद और फॉस्फेट समृद्ध जैविक खाद के विपणन में पैक्स को जोड़ा जाएगा। उर्वरक विभाग की मार्किट डेवलपमेंट असिस्टेंस योजना के

किसानों को होगा लाभ

सरकार के इन महत्वपूर्ण निर्णयों से प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के कार्य क्षेत्रों में विस्तार होगा जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के भी अवसर बढ़ेंगे और किसानों को उर्वरक, कीटनाशक, बीज तथा कृषि मशीनरी आदि स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी।

तहत उर्वरक कंपनियां छोटे बायो-ऑर्गेनिक उत्पादकों के लिए एक एग्रीगेटर के रूप में कार्य कर अंतिम उत्पाद का विपणन करेंगी, इस आपूर्ति और विपणन श्रृंखला में थोक/खुदरा विक्रेताओं के रूप में पैक्स को भी शामिल किया जाएगा। उर्वरक और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए पैक्स को ड्रोन उद्यमियों के रूप में भी कार्यरत किया जा सकेगा, साथ ही, ड्रोन का उपयोग संपत्ति सर्वेक्षण के लिए भी किया जा सकता है।